



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 210]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 25, 1991/आश्विन 3, 1913

No. 210] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 25, 1991/ASVINA 3, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 217 - आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1991

विषय :- जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा
रोलिंग स्टाक वर्कशॉप के आधुनिकीकरण के लिए
1.256 बिलियन के ऋण सं. आईडीपी 68,
दिनांक 27-3-90 के अन्तर्गत उपकरणों तथा सेवाओं
के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आईपीसी/23(74)/90-93 :- रोलिंग
स्टाक वर्कशॉप परियोजना के आधुनिकीकरण के लिए जापान
की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा 1.256 बिलियन येन
के ऋण सं. आईडीपी 68, दिनांक 27-3-90 के अन्तर्गत
उपकरणों तथा सेवाओं के आयात को शामिल करने वाली

शर्तें, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं,
सूचना के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

डा. आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं 117 आईटीसी
(पीएन)/90 93, दिनांक 25991 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ)
द्वारा रोलिंग स्टाक वर्कशॉप परियोजना (1) के आधुनिकीकरण
के लिए 1.256 बिलियन येन के ऋण सं. आईडीपी 68 दिनांक
27-3-1990 के अन्तर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात
के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 : सामान्य शर्तें

1(1) रोलिंग स्टाक वर्कशॉप परियोजना (1) के
आधुनिकीकरण की आयात आवश्यकता तथा कार्यान्वयन के
वित्तदान के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि

(आई सी एफ) द्वारा प्रदान किये गए 1.256 बिलियन येन का ऋण जापान और विकसित देशों जिनमें भारत और (आई सी एफ) के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए खुला है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों में आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 1.381 बिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) में अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में केवल दर सॉपर निर्धारित किया जायेगा, जिसमें यह उल्लेख आयात लाइसेंस में होगा कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस(मों) में बिमिडिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामें डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन" ऋण सं. आई डी पी-68 होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एम/जेसी" होगा। यह कोड रेलवे मंत्रालय को लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी दुहराया जाएगा। जिसकी एक प्रति रेल मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) रेल मंत्रालय के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत बीमा भाड़ा के आधार पर ही जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 1.381 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयातक द्वारा आवेदन करने पर आयात लाइसेंस की वैधता को 12 महीने की और अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। आयात लाइसेंस की अवधि को आगे और बढ़ाने/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन धित्तदान किए जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित खनन माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस में नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता को कमीशन के रूप में कोई भी भुगतान भारत में भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभरत किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थिति विदेशी संभरक को जहाज पर्यंत निशुल्क लागत बीमा भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में होगा "पक्के आदेशों" का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो, या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो, विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अभिकर्ताओं को दिए गए आदेश या उसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लेखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करने हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदन पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों को पूर्ण करने के संबंध में साखपत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और तुल्य रूपया जमा करने आदि की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण का अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए :-

“साखपत्र की प्राप्ति के बाद” ————— महीने परन्तु अधिक से अधिक ————— के अंत तक पूर्ण किया जाना है।”

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-94 के बाद की न हो।

खण्ड 2 :- संभरण ठेके का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय रुपये में चुकाए जाने वाले भारतीय अभिकर्ता के कमीशन को यदि कोई हो, शामिल नहीं करना चाहिए।

सविदा का मूल्य किसी भी हालत में भारतीय रुपए या किसी अन्य करेंसी में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आवेदन केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से विस पोषित किए जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति मार्ग दर्शी सिद्धान्तों के अनुसार निम्नलिखित अनुपूरक शर्तों पर की जाएगी:-

(छ) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में :-

(1) यदि पूर्व अहर्ता सहित औपचारिक खुली अंतर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उसमें पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन-पत्र के साथ साथ बोली से संबंधित दस्तावेज आदि भी ओ.ई.सी.एफ. को पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ओ.ई.सी.

एफ. के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है लेकिन यदि ओ.ई.सी.एफ. अनुरोध करे तो उसे निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) जब सलाहकार फर्मों को नियुक्त किया जाता है तो ऐसी फर्मों का निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा करना चाहिए :-

(1) अधिकांश निर्धारित हिस्सों के धारक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने चाहिए।

(2) अधिकांश पूर्ण कालिक निवेशक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने चाहिए।

(3) ऐसी फर्में निगमित और पात्र स्रोत देशों में पंजीकृत होनी चाहिए।

(घ) सलाहकारों की नियुक्ति के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के बारे में ओ.ई.सी.एफ. का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त करना चाहिए:-

1. (1) संवर्ध की शर्तें

(2) सलाहकारों की संभिन्न सूची

(3) आमन्त्रण पत्र

(4) संभिन्न मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्टें

(ङ) सलाहकार की पात्रता के बारे में सलाहकार के हस्ताक्षर एवं तारीख सहित निम्नलिखित घोषणा प्रत्येक करार के साथ संलग्न की जानी चाहिए:-

मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि
..... (फर्म

का नाम) निगमित है तथा

(संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में पंजीकृत है और एक पात्र सलाहकार फर्म है,

प्रतिशत (%) (निर्धारित जेयर्स के धारक

संबंधित पात्र स्रोत देशों के नाम) के राष्ट्रिक है और

प्रतिशत (%) पूर्णकालिक निवेशक

(संबंधित पात्र स्रोत देशों के नाम) के राष्ट्रिक है।

(च) आयातक ओ.ई.सी.एफ. के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए उपर्युक्त (क) (1) (क) (2), (ख) तथा (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आधिकार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1989-90 के लिए ओ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई.डी.पी. 68 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका ब्योरा नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाईसेंस के मद्दे केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए आयात लाईसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शासित वैध व्यक्ति होंगे तथा उसके पास पात्र स्रोत देशों में माल तथा सेवाएं प्रस्तुत या उपलब्ध कराने की उपयुक्त सुविधा होगी तथा उन्होंने वास्तव में व्यवसाय किया होगा।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मदवार आधार पर आयातित/भाग के 50% से रकम हो :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क \times 100
संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के सम्बन्ध में एवम फैक्ट्री मूल्य अपनाया जाएगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संबंधित पात्र स्रोत का नाम) में उत्पादित है।”

मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क \times 100
संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(जहां फैक्ट्री पर मूल्य लागू हो)

मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) और (पात्र स्रोत देश का नाम) में समाविष्ट हो चुकी है और संबंधित पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खण्ड -3 संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरक ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप में समाविष्ट होने चाहिए :—

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच रोलिंग स्टॉक वर्कशाप परियोजना (1) के आधुनिकीकरण के लिए येन क्रेडिट सं.

आई. डी. पी-68 (परियोजना सहायता) के अंतर्गत 15 दिसम्बर 1988 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए।

(ख) संभरकों को भुगतान भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. सी. एफ.) के बीच येन क्रेडिट सं. आई. डी. पी-68 से संबंधित 27-3-90 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2 (7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (3 प्रतियों में)

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान के कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिसमें कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक ब्यौरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ. ई. सी. एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाईसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पृष्ठ आदेश के साथ हो या उनकी हूर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाईसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और अनुबंध-2 के पत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषय वस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अनिवार्य रूप से आशोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ को समीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कॉपी और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन" की एक प्रति साथ सी.ए.ए. एंड ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5: विदेशी संभरकों को भुगतान-साख पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय या नोटिस, और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध 3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो ब्रांच सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4" (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग विधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए. एंड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे भी सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधन स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से जारी करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साखपत्र खोलने उसके अधीन लेने-देने करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार, यदि कोई हो, तो

वे आयातक/विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओ ई सी एफ के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा स्वयं ऋण/निधियों में से चुकाई जाएगी।

ओ ई सी एफ या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय के भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को वचनबद्धता पत्र के खर्चों के तुल्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी। ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) का व्याज भी आयातक को प्रचलित दर पर चुकाना होगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के तहत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाएगा। आयात को द्वारा आयातों के लागत तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में सम्बद्ध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेपण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) पुनः अदायगी क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम की पुनः अदायगी के लिए क्रिया विधि ऋण समझौते से सम्बद्ध पुनः अदायगी क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6: रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पराक्राम्य पोत परिवहन दस्तावेज भेजेगा तथा बैंकर यह सुनिश्चित करेगा कि रुपया अनिवार्य रूप से पोत दस्तावेज रिलीज होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी दिल्ली में जमा कर दिया गया है।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी या विलम्ब से प्राप्त की, रुपया निक्षेप पर लगने वाले व्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो मार्चजानिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक,

आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक को तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों माल की मुपुर्दगी देने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात, निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट्स एण्ड ऐडवाइन्सिज-8443-सिविल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परचेजिज एक्सट्रा अट्राड परचेज अण्डर क्रेडिट्स/लोन एग्रीमेंट्स", लोन फोम दि गवर्नमेंट आफ जापान 1.256 बिलियन येन क्रेडिट/मिन सं. आई डी पी-68 फार दी रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप माडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट होना चाहिए।

6(2) चालान के दाएं कोने में कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए उपयुक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी, दिल्ली में सरकार के क्रेडिट में नकद जमा होना चाहिए जैसा कि इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट है।

6(3) सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के अन्दर सम्बद्ध भारतीय बैंक उपर्युक्त निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/ उनके बैंकों को इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्यौरे," में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट

की गई है। खजाना चालान में निम्नलिखित ब्यौरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय की प्राधिकार पत्र (ए. पी.) की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

तत्पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए भुगतान प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बांजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों की प्रतियों को संलग्न करने हुए खजाना चालान रुपया जमा करने को साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :: भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप बैंक आफ इंडिया, टोकियो से अदायगी की सूचना और विनियम पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति 10 दिनों के अन्दर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत से सम्बद्ध बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-8: विविध प्रावधान

8(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्टें

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक के पोतलदानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलदान होना बाकी है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी. ए. ए. एण्ड ए. आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय बी विंग 5 वां तल जनपथ भवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) विशेष शर्त के बारे में संभरकों को अधिसूचित करना।

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अंतर्गत माल से संबंधित किसी ऐसी के विशेष शर्त में संभरक अवगत कराएं जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालती हों।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद होगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें साफ-साफ "भुगतानों के नियमों" अनुबंध-2 में आयातक द्वारा दर्शायी जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्तें ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

8(4) भावी अनुदेश

आयातक लाइसेंस या उसके सम्बन्ध में उठने वाले किसी या सभी मामलों में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों, निदेशों या आदेशों का तथा जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ येन क्रेडिट समझौता परियोजना (सहायता) से आई डी पी:-68 के अंतर्गत सभी दायित्वों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) अतिक्रमण और उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध:-1 पात्र स्त्रोत देशों की सूची
2. अनुबन्ध:-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबन्ध:-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध:-4 साखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
5. अनुबन्ध:-5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

उपाबन्ध 1

पात्र स्त्रोत देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
तुनीसिया
2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा
अंगोला
बेनिन
बौतस्वाना
बुरुंडी

कमरोन
कैप बड़े द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
चाड
कोनारो आइसलैण्ड
कांगो, दाहामें का गणतंत्र
इक्वेटोरियल गिनी (1)
इथोपिया
जाम्बिया
घाना
गिनी
आइबरी कोस्ट
केन्या
लेलोथो
लाइबीरिया
मालागासी गणतंत्र
मालावी
माली
मारिटिनिया, मारिशस
मोजाम्बिक
सेंट हेलेना और डेप (2)
साओ टोमों और प्रिंसिपल
सेनेगल
सेचिलीज
सीयरे लिओन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैंड
टेरी, अफर्मे और इसस
टोगो
यूगान्डा
तजानिया गणतंत्र संघ
अपर वोल्टा
लाइरे गणतंत्र
जाम्बिया

3. अमरीका उत्तरी और केन्द्रीय
बहामा
बरमुडा
वारडोस
बेली
कोस रीको
क्यूबा
डामिन्किन गणतंत्र

- (1) फरनाडो पी-प्रो द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रदेश।
- (2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :—एस्कैनियन ट्रिस्टेन या इनएक्सेसिवल्स, नाइटिनेगेल, गफ।
- (3) मुख्य द्वीप समूह, अरुबा, बोनाइरे, क्यूराकाओ, सहा सेन्ट।

- एल मवाडोर ,
गुडाल्प
ग्वामाला
हैटी
होङ्गरस
जमैक
मारंटोनिकों
नाईगर
पुर्तगाली गिमी
रियूनियन
रोडेशिया
स्वान्डा
मैक्सिको
नीदरलैण्ड एन्टीलीज
निकारागुआ
पनामा
सेंट पियरी और मिक्यूलोन
ट्रिनिडाड और टोबागो
3. अमेरिका: उत्तरी और मध्य
वेस्टइन्डीज (शाखा) एन्. अर्थात्
- (क) सह-सम्बन्ध राज्य (1)
(ख) आश्रित (2)
4. दक्षिणी अमेरिका
अर्जेन्टीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
कोलम्बिया
फालक लैण्ड द्वीप समूह
फ्रांस गिनी
गुयाना
पराग्वे
पीरू
सूरिनाम
5. मध्य पूर्वी एशिया
बहरीन
इजराइल
जोर्डन
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिक, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेंट किट्स (सेंट क्रिस्टोको) नोबिल-अंगुइला, सेंट जुसिया और सेंट बिसैट
- (2) मेन आई लैण्ड, मोन्सेरत, सेमान नुर्क और काइकोस और ब्रिटिश द्वीप समूह।

- यूनाइटेड अरब अमिरात (3)
यमन अरब अमिरात गणतंत्र
यमन जनवादी गणतंत्र (4)

6. दक्षिण एशिया
अफगानिस्तान
बंगला देश
भूटान
बर्मा
भारत-
मालदीव
नेपाल
पाकिस्तान
श्रीलंका
7. सुदूर पी पूर्वी एशिया
बरुनी
हांगकॉंग
खमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र
लाओस
माकाओ
मलेशिया
फिलीपाइन
सिंगापुर
ताइवान
थाइलैण्ड
तिमोर
वियतनाम गणतंत्र
वियतनाम जनवादी गणतंत्र
8. ओसिनिया
कुक द्वीप समूह
फिजी
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
गिल्बर्ट और इलाइल द्वीप
फ्रान्स पोलिनेशिया (5)
नारु
न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेविगसिस (अ. और प्र.)
नियु

- (3) अजमन, दुबई, फुजीराह, रास अलखैमाह, शरजाह और अमअल क्वाईवान
- (4) अदन और विभिन्न सल्तनत और अमीरात सहित ।
- (5) सोमाइटी आई लैण्डस समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए, आस्ट्रेल द्वीप समूह टुआमोटू-गाम्बियर ग्रुप और मारक्यूसे द्वीप समूह

पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)	ग्रीस
पापुवा न्यू गिनी	आइसलैण्ड
मोलोमन द्वीप समूह (आ.)	आयरलैण्ड
टोगा	इटली
बालिम और कतूना	जापान
पश्चिमी सामोआ	लक्जमबर्ग
9. यूरोप	नीदरलैण्ड
साइप्रस	न्यूजीलैण्ड
जिब्राल्टर	नार्वे
ग्रीस	पुर्तगाल
माल्टा	स्पेन
स्पेन	स्वीडन
तुर्की	स्विट्जरलैण्ड
यूगोस्लाविया	टर्की
	इंग्लैण्ड
(6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मैरिन द्वीप समूह (गामा को छोड़कर) ।	संयुक्त राज्य अमेरिका

उपाबन्ध-2

(क-2) ओ. पी. ई. सी. के सहयोगी देश

अल्जीरिया
बोलिविया
लीबियाई अरब गणतन्त्र
गैबोन
नाइजीरिया
इक्वेडोर
वेन्जुएला
इरान
इराक
कतार
कतार
साऊदी अरब
आवृ-धावी
दरुदोनेशिया

ख. ओ ई सी डी देश

आस्ट्रेलिया
बेल्जियम
कनाडा
डेनमार्क
फीनलैण्ड
फ्रांस
फेडरल रिपब्लिक आफ जर्मनी

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में,

महायक लेखा तथा लेखा परीक्षानियंत्रक,
वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग,
यू. को. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय : येन क्रेडिट सं. आई डी पी (198
के लिए परियोजना सहायता) के अंतर्गत

को

का आयात

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी _____
_____ (परियोजना सहायता) के अधीन
_____ मे _____ आयात
के संबंध में _____ (बैंक का नाम)
_____ कि वही होना
चाहिए, जो नीचे (क) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के

साख पत्र खोलने के लिए दिया गया है के पक्ष में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित व्योरे प्रस्तुत करते हैं :-

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिन तक वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके
क्या वह सीधे क्रय पर आधारित है या औप-चारिक यूनी अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है या मामले में कारणों सहित यह निविष्ट करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उप-युक्त तकनीकी प्रभाव के आधार पर किया गया है।
- (घ) मात्र का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) मात्र का उद्गम देश।
- (च) यदि कोई हो, तो मात्र से इतर स्रोत देशों से आयात संघटकों का प्रतिशत।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन) में
- (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विदेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिनको संविदा के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक भेट की संख्या और उनका निपटान दिखाने हुए)
- (ण) पोतलदान अनुदेश, वाहनान्तरण/पार्ट-शिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।
- (न) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है यदि हां जो ऐसे प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संवर्ष जिस

के अंतर्गत ओ. ई. सी. एफ. को अधिसूचित किया गया है।

- (द) क्या साखपत्र के संचालन और रखरखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातक द्वारा या संघटकों द्वारा वहन किए जाने हैं।

- (ध) आयातक द्वारा वचनबद्धता:

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निवेष्ट मात्र (आयातित सामग्री) को सुपुर्दगी लेने से पूर्व मत्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा अनु-मोदित होते ही और उनकी अदायगी करने का विदेशी राष्ट्रियता की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निवेश कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।

उपाबन्ध-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय : — येन क्रेडिट (परियोजना महायता) ऋण करार सं० आई. डी. पा. के अंतर्गत आयात। साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सर्वश्री के नाम में येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ. ई. सी. एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि में किया जाएगा। आप ओ.ई.सी. एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेजकर, किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करें।

4. विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलदान दस्तावेज (विनियम), अनिवार्य पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई अदायगी को नाम डालने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई, तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी. एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिनमें साखपत्र खोलने रखरखाव करने और साखपत्रों के संचालन करने और मीदा संबंधी दस्तावेजों के संचालन में संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ.ई.सी.एफ. से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो इसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के सहे भविष्य में साखपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार में संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उसके पत्र सं.
..... दिनांक के के संदर्भ में।

उनमें अनुरोध है कि वे बैंकों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी देने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने

का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक। यह आयात लाइसेंस सं. दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तें और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आवेदनों को देखे और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाई करें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो प्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113—आईटीसी (पीएन)/88-91 दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी।

यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने के पूर्व धनराशि जमा की जानी है।

2(3) वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्जित हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना संख्या 184—आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-68 233—आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968 132—आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74—आईटीसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-1974 सं. 103—आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है वह "के डिपॉजिट एटसेट्रा अथाइ अन्डर परचेज अंड क्रेडिट/लोन एग्रीमेंट्स" लोन फ्राम द गवर्नमेंट आफ जापान 1.256 विनियम येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आईडीपी 68 दिनांक 27-3-90 है।

2(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारों दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उन्हें उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अप्रेषण पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा निधनक,

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

बी विंग, 5वां तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली।

2(5) जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्णनी हूण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामले में जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा ब्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

2(6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ. ई. सी. एफ. द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय ब्याज प्रभार बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे निर्णीत किए जाएंगे।

2(7) संभरक को किए गए प्रत्येक भुगतान के लिए मूल दस्तावेज (चाहे वह वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारंटी निष्पादन, गारंटी पोतलदान दस्तावेजों आदि के लेनदेन के दस्तावेज आयातक को तब तक न दिए जाए जब तक कि ऊपर (2) और (3) पर दिए अनुसार कार्रवाई न कर ली जाए।

2(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डीलर के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों के भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में विनिर्दिष्ट किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए. डी. परिपत्र संख्या 22 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

2(9) इस पत्र की पावती भेजें और भविष्य में पत्राचार में इसका हवाला आदि दें।

3. निदेशक ऋण विभाग-2 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि टाकेवासी गोडो बिल्डिंग, 4-1 ओहटेमासी-1, कोसे, शियोडा-कू, टोकियो 100, जापान

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपाबन्ध-4

प्रपत्र ओ. ई. सी. एफ. एल. सी.-1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. _____ दिनांक _____ के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बीजक मूल्य के लिए आपके साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोल दिया है जो _____ (अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पोत परिवहन निबन्ध लवान बिल जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट हो, ब्लैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्रेट एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिन में पोतलदान, (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करते हुए संविदा सं. _____ (यदि कोई हो) के संबंध में "_____ मे _____ तक आंशिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनांतरण होना स्वीकृत है। ड्राफ्ट बिल _____ तक बाव की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट _____ तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ दिनांक _____ के अंतर्गत आहरण किया गया और आयात संदर्भ सं. _____ (संख्याएं, यदि कोई हों) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरण नहीं है।

हम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश :

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा _____ को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के खर्च आयातक/संभरक के खाने से देय हैं।

भवदीय,

()

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा:—

प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाबन्ध-5

पत्र ओ ई सी एक-एल सी-2

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में,

_____ यह साखपत्र (ऋणी और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए _____

_____ ऋण करार सं. _____

_____ दिनांक _____

के अनुसरण में जारी किया

गया है। (संभरक का नाम और पता)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करने हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल धनराशि _____ येन में अधिक नहीं है, के लिए आवेदक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोल दिया है।

इसमें इसका माध्य संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में ठेका सं. _____ से संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। लेन देन के लिए ड्राफ्ट— _____ से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. _____ के अंतर्गत ड्रान लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की गुणवत्ता पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स ग्रोसर नं. 290 के अधीन है।

लेन देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :—

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार ऋणों और इसके मनोनीत अधिकारी द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए हिताधिकारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परेपित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मध 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस साखपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयातकों/संभरकों के खान में देय है।

भवदीय

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा _____
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र _____ का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि _____ येन जो कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज : हिताधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग: धनराशि _____ येन जो कुल संविदा का मूल्य _____ प्रतिशत है जिनका भुगतान निम्नप्रकार से किया जाना है :—

देय धनराशि	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
_____	_____
पहली किस्त, येन _____	_____
दूसरी किस्त येन _____	_____

अपेक्षित दस्तावेज : (ऋण अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी)

द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :—ऋण करार सं. _____
के अंतर्गत _____ परियोजना से संबंधित

_____ के नाम के _____ येन के लिए _____ द्वारा जारी किए गए साखपत्र की सं. _____ दिनांक _____ (ऋणी) का प्रतिनिधित्व करते हुए, से अधोहस्ताक्षरी, और _____ के बीच संविदा सं. _____

दिनांक _____ में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहायता निधि द्वारा _____ येन की धनराशि) _____ (येन पात्र) प्राप्त करने के लिए _____ को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करता है।

(ऋणी)

द्वारा _____
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साखपत्र सं. _____ का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि _____ येन कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि _____ येन कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि _____ येन कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।

टिप्पणी :—यह संलग्न ग्रीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

Public Notice No. 217-ITC(PN)|90-93

New Delhi, the 25th September, 1991

Subject: Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.68 dated 27-3-1990 for Yen 1.256 Billion for the Rolling Stock Workshop modernisation Project (I) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan-- regarding.

File No. IPC|23(74)|90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.68 dated 27-3-1990 for Yen 1.256 Billion for the Rolling Stock Workshop Modernisation Project (I) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller
of Imports & Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 217 ITC(PN)|90-93, DATED 25-9-1991

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.68 DATED 27-3-1990 FOR YEN 1.256 BILLION FOR THE ROLLING STOCK WORKSHOP MODERNISATION PROJECT (I) EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

SECTION I—General Conditions.

I. (i) The Yen Credit of Yen 1.256 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements and implementation of Rolling Stock Workshop Modernisation Project (I) of Ministry of Railway is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/C&F Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed yen 1.381 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in

foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the super-scription "Japanese Yen Credit No. ID-P.68". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to Ministry of Railways a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I. (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Ministry of Railways on CIF basis.

I. (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 1.381 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I. (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

I. (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I. (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I. (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension

is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I. (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

“.....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....”.

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-94.

SECTION II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II. (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II. (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation

report shall be submitted to OECF for review and concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the tenders documents etc. will also be submitted to OECF for its review

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review

(c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all the following conditions :—

(i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries ;

(ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries ;

(iii) Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.

(d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—

(i) Terms of Reference.

(ii) Short List of Consultants.

(iii) Letter of Invitation.

(iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.

(e) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract :

“I, the undersigned, hereby certify that,——
 ——(name of firm) has
 been incorporated and registered in——
 ——(name of the Eligible
 Source Country concerned), and is an
 eligible consulting firm,——
 per cent (%) of the subscribed
 shares being held by nationals of——
 ——(name of the Eligible Source
 Countries concerned) and——
 per cent (%) of the full time directors
 being nationals of——
 ——(name of the Eligible Source Countries
 concerned)”.

(f) The application documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A. in duplicate, for submission to OECF.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in

their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 68 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II. (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries & actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____
(name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____
(Name of company) has been incorporated and registered in _____ (name of eligible source country), which has its appropriate facilities for producing or providing the goods or services in (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

SECTION III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic

Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 27th March, 1990 concerning the Yen Credit No. ID-P68 (Project Aid) for the Rolling Stock Workshop Modernization Project (I).

- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No ID-P68 dated 27-3-1990 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

SECTION IV—Review of Contract by OECF
IV(i) within stipulated period for placement of fire orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of EA) will send Notice of conclusion of Contract along with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A along with one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

SECTION V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of

Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V applicable to service) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into for Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment changes on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedures for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian suppliers

shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

SECTION VI—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably **made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi** before releasing the shipping documents.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in public Notice No. 113-ITC (PN) 88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credit is "K-Deposits and Advances 8443-civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 1,256 Billion credit No-ID-P68 for the Rolling Stock Workshop Modernization Project (I).

VI (i) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariable indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

SECTION VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence
The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

VIII (ii) Notifying suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any that may arisen between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

2491 GI/91—4

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-68 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECE).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures.—

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure III Form of Letter of Authority.

Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroon

Cape Verde Islands

Central African Rep.

Chad

Comoro Islands

Congo, People's Republic of Dahomey

Equatorial Guinea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

Ivory Coast

Kenya

Lesotho

Liberia

Malagasy Republic

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Moozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terro, Afars and Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North end

Cont.
Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North & Central West Indies (Br.) n.i.e.

- (a) Associated States (1)
- (b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Baharsin
Isreal
Jordan
Lebanon
Qman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yenren, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldivis
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of Laos

1. Main Islands : Antique, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe) Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultantes and emirates,

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—Whether it is based on direct purchase of formal open International tendering in which case it should be

indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FBO/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers/or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer:—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc; of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE—III

(Letter of Authority Form)

No. F

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

/To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan),

Subject :—Import under Yen Credit (Project Aid Loan Agreement No. ID-P Issue letter of credit for an import not exceeding Yen Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an import not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importer's bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto—

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to:—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers Banker—This has reference to import licence No. dated.

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—8443—Civil Deposits—Deposit for purchases etc.

abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 2,850 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P 33 for 1985-86.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action at (ii) and (iii) has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22, dated 18-6-1977.

(ix) The receipts of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Direct, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE—IV

FORM OECF—LC I

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for goods)

Date :

To,

_____ This letter of Credit has
_____ been issued pursuant to
_____ Loan Agreement No.

Dated
_____ between (Borrower) and
_____ THE OVERSEAS ECO-
_____ NOMIC COOPERATION
_____ FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of _____ 7

(Say yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents, evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No.

(if any) from _____ To _____

Partial shipments are _____ permitted. Trans-shipment is _____ permitted. Bills of lading must be dated not later than _____. Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____ dated _____ and _____

Import Reference No.(s) _____ if any). This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance

with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for Services)

To,

_____ Date : _____
_____ This Letter of Credit has
_____ been issued pursuant to
_____ Loan Agreement No. _____

(Name and address of
the Supplier)

dated
_____ between (Borrower) and
_____ THE OVERSEAS ECO-
_____ NOMIC COOPERATION
_____ FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ 7 (say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____

with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____
This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)

By : (Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount Yen _____
being _____ % of the total contract price

Required documents: beneficiary's Statement
Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregate amount Yen _____
being _____ % of the total contract price to be paid as follows:
Amount due Latest presentation

1st Instalment: Yen _____

2nd Instalment: Yen _____

Statement of Performance

Date:

Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier.

Re: Letter of Credit No. _____ dated _____
issued by _____
for Yen _____ in favour of _____ concerning _____
project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Yen _____ (Yen _____ only)

from THE OVERSEAS ECONOMIC CORPORATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)
By _____
(Authorized Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

Required documents: A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount Yen _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:
Latest presentation date:

II. Intermediate payment (If any)

Amount Yen _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:
Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount Yen _____
being _____ % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

